माहवारी स्वच्छता प्रबंधन

राजस्थान, भारत, 2017

PMA2020
Performance Monitoring and Accountability 2020

विश्व में कई महिलाओं व किशोरियों को अपनी माहवारी के प्रबंधन में कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। माहवारी प्रबंधन की आवश्यकताओं को पूरा करने में असमर्थ होने के कारण महिलाओं एवं किशोरियों की मूलभूत साफ़ सफाई, और स्वास्थ्य पर कई बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं, जिस से लैंगिक समानता और गरिमा के लिए तय किये SDG लक्ष्य की ओर प्रगति प्रभावित हो सकती है ।

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन, माहवारी के दौरान रक्त को स्वच्छ सामग्री से अवशोषित/साफ़ करने का व्यव्हार है जिसे एकांत में, सुरक्षित रूप से, स्वच्छता पूर्वक एवं माहवारी के दौरान जब आवश्यकता हो तब अपनाया जा सकता है। PMA2020 ऐसा पहला सर्वे है जो माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के संकेतकों हेतु वृहद पैमाने पर आँकड़े प्रदान करता है। यहाँ प्रस्तुत किये गए आँकड़े राजस्थान में PMA2020 द्वारा आयोजित किये गए एक राज्यव्यापी सर्वे में15-49 साल की 5,139 महिलाओं से लिये गए हैं जिन्होंने पिछले तीन माह में माहवारी आने की सुचना दी थी|

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के लिए मुख्यतः उपयोग किया जाने वाला स्थान

महिलाओं का प्रतिशत

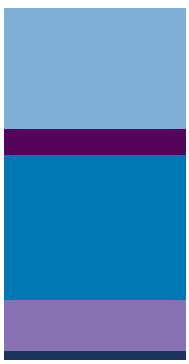

- घर के पीछे के आँगन में/ कोई सुविधा नहीं/ अन्य: 34.4%
- शयन स्थान: 7.6%
- मुख्य घरेलु शौचालय की सुविधा : 41.1%
- घर पर अन्य शौचालय की सुविधाएं: 14.5%
- विद्यालय, कार्य स्थल शौचालय सुविधा या सरकारी शौचालय सुविधा: 2.4%

माहवारी स्वच्छता प्रबंधन के मुख्य स्थान की सुरक्षा, स्वच्छता, और एकांतता

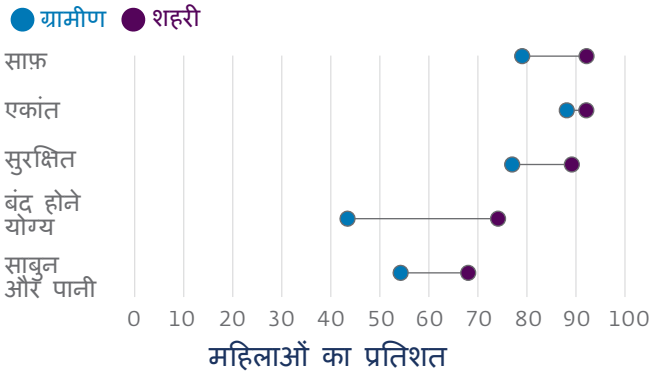

माहवारी के लिए प्रयोग की गई सामिग्री के प्रकार*

महिलाओं का प्रतिशत

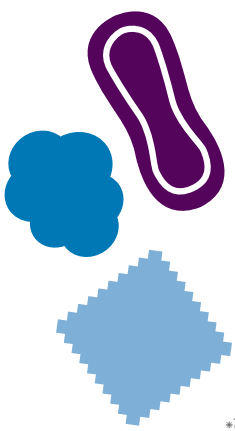

	ग्रामीण	शहरी
सेनेटरी पैड	40.0%	67.0%
कपड़ा	70.2%	41.9%
रुई	1.6%	1.1%
अन्य सामिग्री (जैसे टम्पोंस, टॉयलेट्स पेपर, फोम, प्राकृतिक सामग्री)	<1%	<1%

*महिलाओं को उनके द्वारा माहवारी के लिए उपयोग की जाने वाली सभी प्रकार की सामिग्री का चयन करने के लिए कहा गया था|

अवशोषक सामग्री का निपटारा*

*महिलाओं से सभी तरह के अवशोषक पदार्थ चुनने के लिए कहा गया जो वे उपयोग करती हैं|

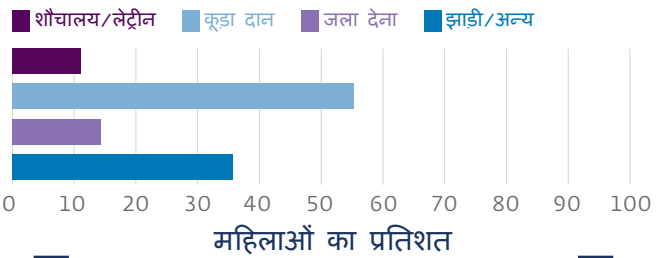

सामग्री की धुलाई, पुनःउपयोग एवं उसे सुखाना

44.1% महिलाएं यह कहती हैं कि वे अपनी माहवारी प्रबंधन की सामग्री को धोकर पुनः उपयोग करती हैं। जो धोकर पुनः उपयोग करती हैं उनमे से 97.3% ऐसा कहती हैं कि वह सामग्री पुनःउपयोग से पहले पूरी तरह सूखी हुई थी।

राजस्थान में मात्र 36.0% महिलाएं कहती हैं कि उनके पास माहवारी प्रबंधन के लिए वह सब कुछ है जो उन्हें चाहिए।

JOHNS HOPKINS BLOOMBERG SCHOOL of PUBLIC HEALTH

Bill & Melinda Gates Institute for Population and Reproductive Health

परिवार नियोजन एवं जल, सफाई, एवं स्वच्छता के महत्वपूर्ण संकेतकों की निगरानी हेतु किए जाने वाले कम लागत एवं त्वरित सर्वेक्षणों के लिए PMA2020 द्वारा उन्नत मोबाईल तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। 11 देशों में स्थानीय विश्वविद्यालय एवं शोध संस्थानों द्वारा महिला रेज़ीडेंट एन्यूमरेटर (स्थानीय गणकों) के सहयोग से इस परियोजना का संचालन किया जा रहा है। इन गणकों को मोबाईल तकनीक की सहायता से डेटा एकत्रण हेतु प्रशिक्षित किया गया है। PMA2020/भारत का संचालन भारतीय स्वास्थ्य प्रबंध शोध संस्थान (IIHMR) विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु तकनीकी सहयोग एवं समर्थन अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (IIPS) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) द्वारा प्रदान किया गया है। जोहन्स होपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ़ पब्लिक हैल्थ स्थित बिल एंड मेलिंडा गेट्स जनसँख्या एवं प्रजनन स्वास्थ्य संस्थान तथा जोहन्स होपकिन्स यूनिवर्सीटी वाटर इन्स्टीट्यूट द्वारा समग्र दिशानिर्देष एवं सहयोग, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा प्रदत अनुदान के माध्यम से प्रदान किये जा रहे हैं।

JOHNS HOPKINS WATER INSTITUTE